IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 2, March 2024

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020
(भारत में उच्च षिक्षा के उद्देष्य एवं चुनौतियॉ के विशेष संदर्भ में)

डॉ.गजेन्द्र सिंह राठौड़

सहायक प्रोफेसर (भूगोल), भूगोल विभाग

श्रीमती कमला देवी गौरीदत मित्तल महिला महाविधालय, सरदारशहर (चूरू), राजस्थान

rathoregajendra806@Gmail.com

प्रस्तावनाः– समाज शिक्षा द्वारा नवयुवकों के विचार और भावना में वे सभी विशिष्टताएं समाहित की जा सकती है जिनके सहारे उन्हे अपने और अपने देश के गौरव तथा आत्म सम्मान का बोध हो सके। शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नही देती बल्कि उसके व्यक्तित्व का निर्माण भी करती है। हर समाज के जीवन की अपनी कुछ विशिष्ट आवश्यकताएं है। उन जीवन की आवश्यकताओं के द्वारा जीवन का आदर्श बनता है। जीवन के आदर्श द्वारा हमारा जीवन उदेश्य निश्चित होता है। उस उदेश्य की प्राप्तिो में हम कुछ बिन्दु निश्चित करते हैं। इन बिन्दुओं पर आस्था, श्रद्धा और विश्वास टिक जाते है। यही बिन्दु हमारे मान बिन्दु होते है यही जीवन मूल्य है। इन मूल्यों की प्राप्ति में शिक्षा का बहुत योगदान होता है।

शिक्षा जो कि मानव जीवन का आधार स्तम्भ है, के अभाव में मानव जीवन के विकास की कल्पना ही नही की जा सकती है। यह मानव जीवन की उत्कृष्टता एवं उच्चता का प्रतीक है। प्राचीनकाल से ही शिक्षा को आत्मज्ञान एवं आत्म प्रकाश का साधन माना गया है। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि शिक्षा मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाती है। वर्तमान में शिक्षा जहाँ एक और बालको का सर्वांगीण विकास के लिए भी एक आवश्यक एवं शक्तिशाली साधन है। यह आगे आनी वाली पीढ़ी को उच्च आदर्शो आकांक्षाओं विश्वासो जैसे सांस्कृतिक सम्पति को हस्तान्तरित करता है। बालक की वैयक्तिक प्रगति, उसका मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक विकास शिक्षा के द्वारा ही प्राप्त किये जा सकते है।

संदर्भ सूची :

[1]. डॉ. सत्यपाल रूहेला, भारतीय शिक्षा का समाजशास्त्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

[2]. लक्षता गुप्ता, भारतीय समाज और शिक्षा विजय प्रकाशन मन्दिर, वाराणसी।

[3]. सचदेवा यादव, आधुनिक भारतीय समाज में शिक्षा, विजया पब्लिकेशन लुधियाना।

[4]. एन.एस.बक्शी, उदीयमान भारतीय समान एवं शिक्षा, प्रेरणा पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

[5]. डॉ. गुरसनदास त्यागी, डॉ विजय कुमार नन्द उदीयमान भारत मे शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा–2

[6]. एम.एस. सचदेवा, के.के शर्मा, शिवानी बिदंल, पी.के. साहू उदीयमान भारतीय समाज मे शिक्षा, अभिषेक ऑफसेट प्रिन्टर्स मेंरठ(यू.पी.)

[7]. अन्य स्त्रोत समसामयिकी पत्र पत्रिकाऐं।